ये राज़ राज का है,सब जान न पाते हैं
मेरे प्राणों के प्रीतम, मेरे दिल में रहते हैं

1- मेरे धनी बिना कोई, न मुझको प्यारा है
मैं किससे कहूं दिल की, यहां कोई नहीं मेरा
बिन कहे मेरे दिल की,सब जान जाते हैं

2- चाहे दुख हो माया का, या बिछड़ी आत्म का
तेरा ही बल है धनी, हम नाम लें किसका
जब जिक्र करें तेरा, दुख दूर होते हैं

3- है तेरी ही मेहर,हम गुण तेरे गायें
जिसे तू चाहे प्रीतम, तेरे चरणों में आये
वो छोड़ चरण तेरे, कहीं दूर न जाते हैं

4- न करनी कुछ मेरी,न रहनी है प्रीतम
बस कहनी ही कहनी, मेरी कहनी है प्रीतम
रहनी में वो आए, जिसे आप चाहते हैं

Nijanand App

5- कहने को दिल मेरा,है अर्श पिया तेरा
न इसमें है कोई, तेरा ही बसेरा
जहाँ धनी मेरे तुम हो, सुख सारे रहते हैँ
6- मैं आस करूँ किसकी, मेरी आशा है तुमसे
मैं अर्ज करूँ प्रीतम, मेरी अर्जी है तुमसे
हम काम करें वो ही, जो आप चाहते हैं

Nijanand App